

Topic _____

Date. _____

NAME

Simran Sharma

Rollno - 3360

Course - Bcom (P)

SGND KHALSA

Submitted To

Mr. ASHISH THOMAS

प्रदूषण का केन्द्र नजफगढ़ नाला

जल प्रदूषण



Image 1

विषय सूची

	<u>नाम</u>	<u>क्रम सं.</u>
1	इतिहास [नजफगढ़ झील]	1-4
2	मानचित्र	5
3	जल प्रदूषण	6-7
4	समस्या के कारण	8-9
5	प्रभाव	10-11
6	सरकार के कदम	12-13
7	सुझाव	14-15
8	निष्कर्ष	16
9	[Bibliography]	17

"कल को झील,

"आज का नाला"!!

आज जो देश की राजधानी दिल्ली ने सबसे प्रदूषित जल का केंद्र है वह दिल्ली के नाले हैं जो घरेलु तथा औद्योगिक प्रदूषित जल को निकासी करते हैं वह एक समय नई दिल्ली में यमुना नदी के बाढ़ पानी का सबसे बड़ा स्रोत नजफगढ़ झील हुआ करती थी जो आज नाले में बदल चुकी है। आज का नजफगढ़ नाला इस झील को यमुना नदी से जोड़ता था। यह नाला कश्मी राजस्थान के जयपुर की जीतगढ़ से निकलकर अलवर, कोटपुतली होते हुए हरियाणा के रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील से मिलता था तथा झील से यमुना नदी को जोड़ता था जिसे वहा साहिबी या रोहिणी नदी के रूप में जानते हैं। नजफगढ़ झील यमुना नदी की प्राकृतिक बेसिनों में सबसे बड़ी बेसिन थी। उस समय नजफगढ़ झील में पानी राजस्थान की तरफ से आता था जिसमें हरियाणा के कई जिले जैसे रोहतक, गुरुग्राम व वृहन्दा आते थे जब बरसात के समय झील भरती थी तो चोरी तरफ हरियाणी होती थी जिससे वह इस इलाका बहुत सुंदर दिखता था। आज यह झील हरियाणा के खेड़की माजरा गाँव में स्थित है इसका कुल क्षेत्रफल 120.80 हेक्टेयर है।

★ झील का आकार

यह झील कभी 1 हजार वर्ग किलोमीटर में हुआ करती थी इसका क्षेत्रफल आज के गुरुग्राम के सेक्टर 107, 108 से दिल्ली के पप्पनकला तक था। यह हरियाणा के अज्जर तक फैली थी परंतु बरसात में फैल कर आठ मील दूर बहादुरगढ़ तक फैल जाती थी। इस झील की गहराई 15 से 20 फीट थी जो आज और भी नीचे चला गया है।

शहरीकरण के कारण भूजल स्तर गिरा है तथा वन क्षेत्र भी कम हुआ है।

नजफगढ़ नाला यमुना नदी में गिरने के लिए 51 किलोमीटर दूरी तय करता है इसमें ढाँसा से लेकर कुरुना तक के 28 छोटे नालों तथा अन्य 74 छोटे-बड़े नाले नजफगढ़ नाले में आकर मिलते हैं। जो पूरे दिल्ली के उपरिष्ठ जल को यमुना तक पहुँचाते हैं। यह नाले जल निष्कासि का मुख्य साधन हैं जल निष्कासि का। यह नाले पूरी नई दिल्ली में जाल की तरह चारों तरफ फैले हुए हैं जो कभी प्राकृतिक आवास हुआ करता था आज केवल गंदगी बहा लेजाने का एक मात्र जरिया बन गया है।



Image-2

* नजफगढ़ झील का पारिस्थितिकी तंत्र

नजफगढ़ झील केवल झील मात्र या जल का स्रोत ही नहीं थी परंतु करोड़ों जीवों का आवासीय स्थल थी। उस समय यह झील पक्षियों का विहार (Bird Sanctuary) थी जहाँ हजारों पक्षी रहा करते थे। तब यह स्थान पक्षियों का घर था तथा अग्रेजी काल में अग्रेज यहाँ पक्षियों का शिकार किया करते थे तथा यहाँ 400 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियाँ पाई जाती थी जिसमें 25% विदेशी थे तथा यह कभी साइबेरियन क्रेन (Siberian crane) भी देखा गया था।

जल में भी एक जीवन तंत्र था। झील में हजारों मछलियाँ पाई जाती थी कई तरह की प्रजातियों की मछलियों का घर यह झील थी।

झील के आस-पास वन होने के कारण वन्य जीवन भी भरा पुरा था जिसमें अनेकों जीव आवास करते थे जिसमें अनेकों पक्षी जीवों का जीवन तंत्र मौजूद था जो शहरीकरण तथा शहरी चमत्चौंद में लुप्त हो गया। तथा करोड़ों जीवों से अनाज घर खीन गया तथा वन भी लुप्त हो कर केवल 6% प्रतिशत रह गया है 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में वन केवल 6% रह गया है। मानवीय आवादी ने वन्य जीवन तथा प्राकृतिक संपदा को नष्ट कर दिया है।

मानचित्र [Map]



Image - 3

- ★ साल 2015 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ ड्रेन को भारत के सबसे अधिक प्रदूषित 12 वेल्ड्रेड में से एक बताया है।

जल प्रदूषण

नजफगढ़ नाला दिल्ली का (Drainage system) जल निकासी व्यवस्था का मुख्य साधन है। जिसके जल प्रदूषण अत्यधिक बढ़ गया है। घरेलू गंदा पानी इन नालों में पड़ता है तथा अन्य कई कारणों से जल दिन-प्रतिदिन गंदा व दूषित होता जा रहा है जिसके कारण दिल्ली में स्वच्छ जल की कमी होती जा रही है एक समय पर स्वच्छ व प्रदर्शी जल आज काला तथा गंदा दिखता है। दिल्ली में जल प्रदूषण के कारण निम्न हैं :-

जल की गुणवत्ता में कमी - नजफगढ़ नाले में

जल की गुणवत्ता सबसे निम्न कोटि की है। तथा अत्यधिक रासायनिक तथा जहरीले पदार्थों के कारण जल की दूरी तथा गुणवत्ता दोनों नष्ट हो गए हैं। रासायनिक पदार्थों के कारण जल का pH स्तर भी बहुत खराब हो गया है।



कुड़े का भंडार

नाले तथा उसके जल के गंदे व दूषित होने का मुख्य कारण है स्थानीय लोगों के नाले में कूड़ा फेंकना। प्यरेलू कूड़ा-कचरा सबसे ज्यादा नाले में सीधे फेंका जाना जल प्रदूषण का मुख्य कारण है। स्थानीय लोगों द्वारा कूड़े का सही निपटारा ना करना।

जलीय जीवन का नाश

जल प्रदूषण के कारण जलीय जीवों तथा नाले पर निर्धारित जीवों के जीवन तथा उनकी प्रजाति का नाश हुआ है यह सब नाले के जल में प्यरेलू गंदा पानी तथा रसायनिक उपद्वियों के नाले में सीधा बहाने से हुआ है।

भूमिगत जल स्तर की गुणवत्ता में कमी

जल प्रदूषण के कारण नाले के आस पास के भूमिगत जल स्तर में भी निरावय भाई है तथा जल की गुणवत्ता कू व अनुपात में भारी कमी भाई है। इसके आस-पास के क्षेत्रों में स्वच्छ जल की भारी कमी है तथा भूमिगत जल स्तर अत्यधिक कम है। यहाँ पहले के मुकाबले अब ज्यादा गहराई में जाना पड़ता है स्वच्छ जल के लिए।



Image-5

समस्या के कारण

- धरेलु कचरा

धरेलु कचरा तथा गन्दा पानी नालों के जल प्रदूषण का मुख्य कारण है क्योंकि धरे का गन्दा पानी सीवर द्वारा नालों में पहुँचता है जो नालों के पानी में मिलता है और पानी को गन्दा का बहू उत्पन्न करता है जिससे नालों में जल प्रदूषण बढ़ता है और नालों का पानी गन्दा हो गया है क्योंकि धरेलु गन्दे पानी में साबून आदि के रसायन पानी खराब करते हैं तथा प्रदूषण का कारण बनते हैं।

- औद्योगिकीकरण नालों के आस-पास बसे कारखानों

से निकलने वाले व्यर्थ जल में उपस्थित रसायनिक तथा जैविक पदार्थों के नाले के जल में मिलने से नाले के जल की गुणवत्ता में कमी आती गई है। कारखानों में तथा छोटे-छोटे उद्योगों से निकलने वाले पानी से भी नाना गंधा होता गया।

- MCD की लापरवाही

कूड़े का सही निपटारा ना होना तथा MCD का कूड़े के प्रति लापरवाही के कारण भी लोगों को मजबूरी में कूड़े को नाले में डालना पड़ता है तथा नियोजित तरह से भी कूड़े के निपटारा का लोगों को ज्ञान ना होना भी इसका कारण है लोगों में जागरूकता की कमी।

- शहरीकरण

शहरीकरण सभी समस्याओं का मुख्य कारण है जैसे-जैसे जनसंख्या विधि हुई है वैसे-वैसे प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन की कमी आदि है जिनमें से जल की कमी है जिससे भी जल प्रदूषण हुआ है।

पर्यावणीय प्रभाव

- जलीय जीवन का नाश

जल प्रदूषण तथा नाले के गंदे होने का सबसे ज्यादा प्रभाव जलीय जीवों पर हुआ है। जलीय जीवन समाप्त हो गया है तथा जीवों का प्राकृतिक निवास कम-शून्य हो गया है इसका कारण रसायनिक प्रदूषण को जल में मिलना है।

- वायु प्रदूषण

नाले के गंदे होने से तथा उसके चारों ओर कुड़ा-कचरे से निकलने वाले बदबू तथा अस्वच्छ वायु से वायु प्रदूषण होता है कचरे से कई प्रकार के खतरनाक प्रदूषण से वायु प्रदूषण भी अधिक हुआ है।

- प्राकृतिक सुंदरता में कमी

जल प्रदूषण के कारण नालों के जल में उपस्थित खतरनाक पदार्थों से पेड़-पौधों का नाश हुआ है जिससे प्राकृतिक सुंदरता में कमी आई है तथा

- भूमिगत जल की कमी

भूमिगत जल स्तर में कमी नाले के प्रदूषण का एक प्रभाव है। भूमि में जल की स्थिति बहुत खराब है तथा जल स्तर अत्यधिक नीचे चले गए हैं।

समाजिक प्रभाव

- स्वच्छ जल खरीदना

जल प्रदूषण का समाजिक प्रभाव यह हुआ है कि दिल्ली में लोगों पीने तथा स्वच्छ जल खरीदना पड़ता है क्योंकि पीने योग्य जल बहुत कम है इसी कारण लोगों के जीवन पर इसका अधिक प्रभाव पड़ता है।

- स्वास्थ्य समस्याएँ

नाले में उपस्थित गन्दे पानी से लोगों को कई प्रकार की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। इसे कई बीमारियाँ होती हैं जैसे— पीलिया, डेगू, मलेरिया तथा डाइरिया आदि।

- जल भराव

नाले में बरसात के समय जल स्तर बहुत बढ़ जाता है जिससे पानी गलियों आदि में भर जाता है जिसके कारण लोगों को बहुत परेशानी होती है। आना-जाना मुश्किल हो जाता है नदरों और किचड़ से लोगों को परेशानी होती है।

- साँस लेने में परेशानी

नाले के पास वाले क्षेत्रों में लोगों को साँस लेने भी समस्या होती है क्योंकि नाले के गन्दे पानी तथा कचरे से बहुत ज्यादा बदबू की समस्या रहती है जो लोगों पर अत्यधिक प्रभाव डालता है।

सरकार के कदम

जल शुद्धिकरण संयंत्र

सरकार ने दिल्ली में जल की भारी कमी को पूर्ण तथा गंदे जल को पुनः उपयोग के लिए दिल्ली के नालों पर जल शुद्धिकरण संयंत्र लगा कर जल प्रदूषण को कम किया है। गंदे जल को साफ कर घरेलू कार्य तथा खेतों में सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है जिससे दिल्ली में पानी की कमी की समस्या को धीरे-धीरे दूर करने में सहायता मिली है।

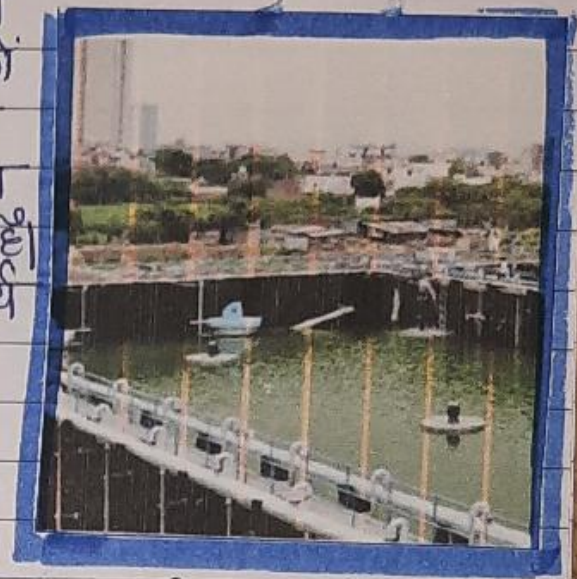


Image-6

सफाई कार्यक्रम

नालों की सफाई तथा उनके बेधतरी के लिए सरकार ने बड़े-बड़े सफाई उपकरण को भारी मात्रा में लगाया है जिससे नालों की गंदगी तथा कचरे को साफ किया जाता है। नालों की सफाई के लिए अलग विभाग बनाया गया है जो नालों की साफ-सफाई तथा नालों के सही संचालन को देखता है। परंतु यह अपने कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक नहीं करते हैं।

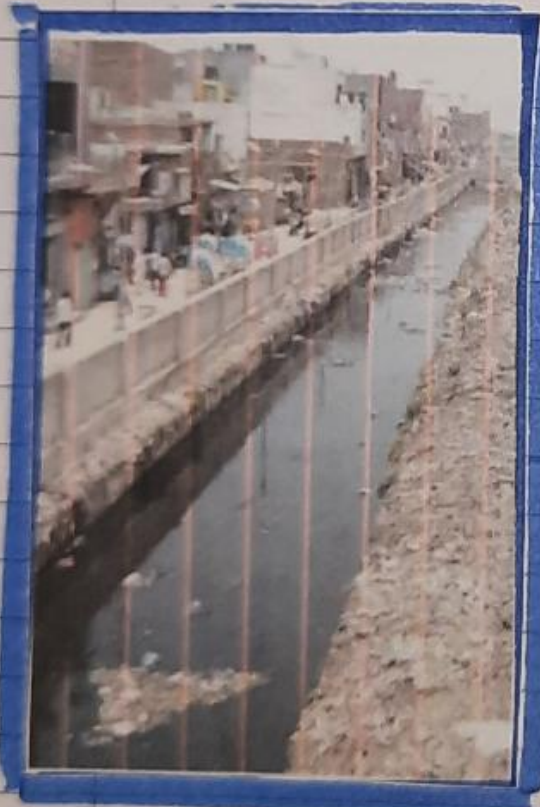


Image-7

बाढ़

सरकार ने दिल्ली के नालों तथा नजफगढ़ नाले पर जगह-जगह बाढ़ बनाए हैं जिससे नालों में पानी के बहाव को नियंत्रित किया जाता है ताकि पूरी दिल्ली से गंदा जल उसानी से बाहर जा सके तथा बाढ़ द्वारा पानी रोक कर उसके साफ कर अन्य कौमों में लगा सके।



Image-8

सुझाव

नियोजित कुड़ा केन्द्र [Dumping Yard]

सरकार को जगह-जगह कुड़ा केन्द्र बनाना चाहिए जिससे लोग कुड़ा नाले में सीधा ना फेंक प्लास्टिक की वस्तु व कुड़े को नाले में डालने से नाले में पानी जमने लगता है तथा उसका बहाव भी रुक जाता है जिससे रोकने के लिए सरकार को नियोजित कुड़ा केन्द्र बनाने की आवश्यकता है तथा इसको हर क्षेत्र में बनाए जहाँ लोग जा सकें। तथा MCD की कुड़ा गाड़ी का भी रोज भ्राना

गंदे जल का उदासीनीकरण

सरकार को छोटे तथा बड़े दोनों उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी को भी नाले में सीधे मिलने से रोकना होगा ताकि नाले का पानी जलीय जीवों के लिए खराब ना हो तथा उद्योग के गंदे जल में उपस्थित रसायनों को भी नष्ट करने के बाद नालों में डालना चाहिए जिससे नाले का pH बना रहे।



Image - 9

नालों को ढकना

नालों को ढकना। यह सुझाव इस लिए है कि नालों के ढकाव से नालों में कुड़े की समस्या से निपटा जा सकता है तथा इसे सीमेंट की बड़ी-बड़ी सीलियो से ढकना चाहिए जिससे नालों के उपर की जगह का भी इस्तेमाल किया जा सके सरकार ने दिल्ली के कई इलाकों के नालों को इसी प्रकार ढककर उनके उपर रोड बनाया है जिससे लोगों को आने जाने की सुविधा हुई है तथा नाला भी साफ रहता है इसी तरह सरकार को पूरी दिल्ली के नालों पर करना चाहिए।

नालों कीटनाशक का उपयोग

सरकार द्वारा नालों में प्ला का खिडकाव करना चाहिए जिससे नाले उत्पन्न होने वाले मच्छर तथा अन्य जीवों को उत्पन्न होने से रोका जा सके जिससे डेंगू - मलेरिया आदि बीमारियों को दूर तथा कम किया जा सके तथा इन इलाकों में स्वच्छता आ सके। इन कीटनाशकों में वातावरण में उपस्थित बीमारी फैलाने वाले कीटों का नष्ट किया जा सकेगा।

निष्कर्ष

नजफगढ़ झील जो कुछ समय पहले पानी का दिल्ली से सबसे बड़ा साधन थी आज वह शहरीकरण के कारण नाले में बदल गई है जिसने प्राकृति तथा मानव समाज दोनों को हानि की है। बढ़ते प्रदूषण तथा प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से, धौरेलू कचरे, औद्योगिकीकरण की बफतार तथा बढ़ते समाज ने प्राकृति का बहुत नाश हुआ है यहि कारण है कि विश्व में बड़े स्तर पर प्राकृति समस्याएँ उत्पन्न हो रही है जैसे ग्लोब वार्मिंग, बाढ़, तूफान, भूखलन जैसी आपदा उत्पन्न हो रही है आज विश्व स्तरी समस्या कोरीना महामारी का भी इसी प्राकृति नुकसान का नतीजा है पिछले कुछ दशकों में मानव ने आधुनिकता की और बड़े तथा प्राकृतिक संपदा को समाप्त कर दिया है इसी तरह समय के साथ नजफगढ़ नाला जल प्रदूषण का केंद्र बन गया। तथा अब सरकार तथा लोगों साथ मिलकर इसे पुनः स्वच्छ बनाना चाहिए तथा विश्व स्तर पर प्राकृति क्षपदा को पुनः बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए ताकि हमारी धरती सदैव बनी रहे तथा आने वाली पीढ़ियाँ सुख पूर्वक रह सके।



Image - 10

BIBLIOGRAPHY

- ▶ WWW. Najafgarh drain (Wikipedia.) com
W.WW. Denik jagran.com
- ▶ from gaonconnection.com
- ▶ Image - 2 4 8 10 (Self click)
- ▶ Image - 1 Wikipedia.com
- ▶ Image - 3 researchgate.net
- ▶ Image 5 jagran.com
- ▶ Discussion with local area people.